

to the Gazetted Cadre in the Accounts Department.

#### Planning Commission's Meeting

**1178. Shri Kamath:** Will the Minister of Planning be pleased to lay a statement on the Table showing:

(a) the total number of meetings held by the Planning Commission since the 1st April, 1956;

(b) how many of such meetings were of the Commission by itself, and how many in conference with other individuals or groups;

(c) the individuals or groups with whom the Commission so conferred; and

(d) the details of attendance *vis-à-vis*, the number and names of members who attended each of the meetings referred to in part (b) above?

**The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra):** (a) to (d). Fifty five meetings of the Planning Commission were held during the period 1st April, 1956 to December 14, 1956. Of these, 39 meetings were internal meetings of the Commission; most of these meetings were attended by members and senior officers of the Commission and representatives of the Ministry of Finance and the Ministries concerned with the subject matter under discussion. Sixteen meetings were held by the Planning Commission with individuals or groups, mostly foreign dignitaries and visitors or planning experts.

There were two meetings of the National Development Council in May and December, 1956 respectively which were attended by the members and senior officers of the Planning Commission, the Chief Ministers of States accompanied in some cases by their Planning Ministers, and the Union Ministers.

134 meetings were held by individual Members of Planning Commission or senior officers with representatives of State Governments and/or Central Ministries.

#### पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कें

**११७९. श्री जगत बर्शन :** क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों के विकास के लिये धन-राशियां निश्चित की गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या विभिन्न राज्यों में इन राशियों का बटवारा करने के बारे में अन्तिम निर्णय कर लिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो भिन्न भिन्न राज्यों में व्यय करने के लिये कितनी-कितनी धन-राशियां निश्चित की गई हैं ; और

(घ) उपरोक्त योजना में उत्तर प्रदेश की जिन सड़कों को सम्मिलित किया गया है, उनका विवरण क्या है ?

**रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलमोशन) :** (क) से (घ). दूसरी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत पहाड़ी क्षेत्रों के बीच में सड़कों के विकास के लिये खास कर कोई पूंजी निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन कई एक राज्यों में उपलब्ध निधि से ऐसी सड़कों के विकास के लिये जो आर्थिक या अन्तरराज्यीय दृष्टि से महत्व की हैं, अनुदान मंजूर किये जा चुके हैं। एक विवरण जिसमें उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के पहाड़ी क्षेत्रों में वे सड़कें दिखाई गई हैं जिनके लिये पहले ही अनुदान मंजूर हो चुके हैं, सभा की मेज पर गया है। [दिसिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या ६४]

#### उत्तर प्रदेश में सड़कें

**११८०. श्री जगत बर्शन :** क्या परिवहन मंत्री १६ अप्रैल, १९५६ के अतारांकित प्रश्न संख्या ९८६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में तैतीस सड़कें बनाने के लिये १२५ लाख रुपये की जो विशेष सहायता मंजूर की गई थी उसमें से प्रत्येक सड़क के लिये अब तक अलग-अलग कितनी धन-राशियां दी जा चुकी हैं; और

(ख) प्रत्येक सड़क के निर्माण में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

**रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलमोशन) :** (क) और (ख) एक विवरण सभापटल पर रखा जाता गया है। [दिसिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या ६५]